शिवरात्रि का त्यौहार है | by Mukesh Kumar

शिवरात्रि का त्यौहार है
शिव शंकर का वार है
बम भोले का वार है
शिव शंकर को भज ले प्यारे
करते बेडा पार है

कोई फल और फूल चढ़ावे कोई बेल और पाती है
एक लोटे जल से ही खुश हो जाते ये कैलाशी है
करते सब उद्धार है
शिव शंकर का वार है
बम भोले का वार है
शिव शंकर को भज ले प्यारे
करते बेडा पार है

तीन लोक के स्वामी बाबा शिव शंकर कैलाशी हैं
पी करके भंगिया रहता अपनी धुन में अविनाशी है
सर पे गंगा का भार है
शिव शंकर का वार है
बम भोले का वार है
शिव शंकर को भज ले प्यारे
करते बेडा पार है

मस्तक ऊपर चंद्र विराजे पहने सर्पों की माला है
जटा में जिनकी गंग बिराजे रूप बड़ा विकराला है
नंदी पर सवार हैं
शिव शंकर का वार है
बम भोले का वार है
शिव शंकर को भज ले प्यारे
करते बेडा पार है

जटाजूट धारी भंडारी शिव शंकर भगवान हैं
तुमसा ना प्रभु कोई दानी लीला तेरी महान है
देवो में देव महान है
शिव शंकर भगवान है
बम भोले का वार है
शिव शंकर को भज ले प्यारे
करते बेडा पार है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%bf-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8c%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-mukesh-kuma/